Dainik Bhaskar (Indore), 29th March 2023, Page – 19 (City Bhaskar)

संरक्षण | संस्थान ने कैंपस के फॉरेस्ट एरिया में पहले से मौजूद दो तालाबों को पुनर्जीवित भी किया

आईआईटी ने कैंपस में तैयार किए 4 तालाब सब मिलकर बचाएंगे पांच करोड़ लीटर पानी

अमृत सरोवर का एरियल व्यू।

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

पांच सौ एकड़ में फैले आईआईटी परिसर में संस्थान ने हर साल पांच करोड़ लीटर से ज्यादा बरसाती पानी को संरक्षित करने की तैयारी की है। संस्थान ने परिसर में पहले से ही मौजूद लेकिन समतल हो चुके दो तालाबों की पुनर्जीवित करने के साथ कुल 4 तालाबों का निर्माण किया है। गर्मियों में हरियाली बनाए रखने के साथ ही ये तालाब, परिसर में भूजल स्तर बनाए रखने में भी मदद करेंगे।

आईआईटी से मिली जानकारी के अनुसार, परिसर के वन क्षेत्र में दो तालाब पहले से ही मौजूद थे। उक्त जमीन संस्थान को आवंटित होने के बाद इन तालाबों की जिम्मेदारी भी संस्थान की थी। उचित देखभाल और उपयोग नहीं होने के कारण इनमें भराव होता रहा और परिणामतः ये समतल हो गए। आईआईटी द्वारा भूजल संरक्षण के लिए बनाई गई वृहद योजना में नए तालाब के निर्माण के साथ इन तालाबों को पुनर्जीवित करने का लक्ष्य भी था। गहरीकरण के पश्चात वन क्षेत्र में बने पहले तालाब की क्षमता 1.08 लीटर तथा दूसरे तालाब की क्षमता 98 लाख लीटर है। आस-पास की जमीन का पानी भी तालाब तक आ सके इसके लिए चैनल्स भी बनाई गई हैं।

अकेला अमृत सरोवर बचाएगा 1.64 करोड़ लीटर पानी

आईआईटी ने दो नए तालाबों का निर्माण भी किया है। मुख्य प्रवेश के पास स्थित प्रशासनिक अभिनंदन भवन के पास अमृत सरोवर बनाया है। इस अकेले तालाब में 1.64 करोड़ लीटर पानी संरक्षित किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार इस तालाब के निर्माण के दौरान खुदाई से निकले मलबे से परिसर के वन क्षेत्र में सड़क और चारदीवारी का निर्माण किया गया है। चूंकि अमृत सरोवर संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार के सबसे नजदीक है इसलिए इसके आसपास सौंदर्यीकरण भी किया है। संस्थान ने दूसरा तालाब रहवासी क्षेत्र के पास बनाया है। इसकी क्षमता 1.20 करोड़ लीटर है। संस्थान के मास्टर प्लान के मुताबिक परिसर में नए तालाबों के साथ तालाबों की संख्या 6 हो गई है।